



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

हिन्दी साहित्य  
पाठ्यक्रम (सी०बी०सी०एस०)

कोर्स कोड	एम०ए० प्रथम सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (24)	
		CIE	ETE		
A010701T	Core	प्राचीनकाव्य	25	75	5 Credits
A010702T	Core	भक्तिकाव्य	25	75	5 Credits
A010703T	Core	रीतिकाव्य	25	75	5 Credits
A010704T	First Elective (Choose any one)	आधुनिक गद्य (निबंध एवं नाटक)	25	75	5 Credits
A010705T		आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य —विघाएं			
A010706P	Second Elective (Choose any one)	स्वयं का संस्मरण रिपोरताज, लेखक के साथ साक्षात्कार, आदि विषय में 8000 शब्दों में लेखन	50	50	4 Credits
A010707P		परियोजना प्रस्तुति (आदिकाल से मध्यकाल) के किसी कवि य लेखक एवं रचना से सम्बन्धित			

(डॉ० आशुतोष कुमार सिंह)  
संयोजक  
पाठ्यक्रम समिति



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

हिन्दी साहित्य  
पाठ्यक्रम (सी०बी०सी०एस०)

कोर्स कोड		एम०ए० द्वितीय सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (24)
			CIE	ETE	
A010801T	Core	हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	25	75	5 Credits
A010802T	Core	भारतीय काव्यशास्त्र	25	75	5 Credits
A010803T	Core	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	25	75	5 Credits
A010804T	Third Elective (Choose any one)	भारतीय साहित्य का स्वरूप	25	75	5 Credits
A010805T		प्रयोजनमूलक हिन्दी			
A010806P	Fourth Elective (Choose any one)	हिन्दी कथा साहित्य एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी से सम्बन्धित परियोजना प्रस्तुति	50	50	4 Credits
A010807P		न्यूनतम 05 सेमिनार एवं उसकी प्रस्तुति			

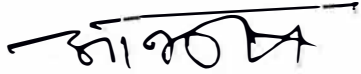
(डॉ० आशुतोष कुमार सिंह)  
संयोजक  
पाठ्यक्रम समिति



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

हिन्दी साहित्य  
पाठ्यक्रम (सी०बी०सी०एस०)

कोर्स कोड	एम०ए० तृतीय सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (24)	
		CIE	ETE		
A010901T	Core	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)	25	75	5 Credits
A010902T	Core	हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)	25	75	5 Credits
A010903T	Core	भाषा विज्ञान	25	75	5 Credits
A010904T	Fifth Elective (Choose any one)	हिन्दी : भाषा एवं लिपि	25	75	5 Credits
A010905T		हिन्दी अनुवाद			
A010906P	Sixth Elective (Choose any one)	भाषा एवं लिपि पर लघु शोध परियोजना का निमार्ण	50	50	4 Credits
A010907P		अनुवाद पर कार्यशाला सेमिनार प्रस्तुति			

  
(डॉ० आशुतोष कुमार सिंह)  
संयोजक  
पाठ्यक्रम समिति



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

हिन्दी साहित्य  
पाठ्यक्रम (सी०बी०सी०एस०)

कोर्स कोड		एम०ए० चतुर्थ सेमेस्टर	Maximum Marks (100)		Maximum Credits (24)
			CIE	ETE	
Λ011001T	Core	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	25	75	5 Credits
Λ011002T	Core	छायावादोत्तर काव्य	25	75	5 Credits
Λ011003T	Generic Elective (Choose any one)	हिन्दी सृजनात्मक लेखन	25	75	4 Credits
Λ011004T		हिन्दी सिनेमा और साहित्य			
Λ011005R	MRP	दीर्घ शोध परियोजना	50	50	10 Credits

(डॉ० आशुतोष कुमार सिंह)  
संयोजक  
पाठ्यक्रम समिति



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर  
प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन काव्य

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

निर्धारित कवि और काव्य :

1. चन्दवरदाई : पृथ्वीराज रासो का एक समयरेखा तट- सं० हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. विद्यापति : पद- 1, 2, 4, 7, 8, 9, 11, 13, 17, 19, 20, 21, 23, 24, 29, 31, 33, 41, 46, 47, (20 पद) विद्यापति संचयन - सं० डॉ० लालसा यादव
3. अमीर खुसरो : चयनित दोहा (आरम्भ से 10) खुसरो की पहलियाँ और मुकरियाँ
4. बीसल देव रासो (आरम्भ से 10 तक) सम्पादक माता प्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद प्रकाशन

पाठ्यपुस्तक : प्राचीन काव्यसंग्रह

1. सम्पादक- डॉ० आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह-सम्पादक - प्रो० सविता श्रीवास्तव  
प्रकाशक- लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ -ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : डॉ० नामवर सिंह
3. कीर्तिलता और अवहट्ट : डॉ० शिवप्रसाद सिंह
4. विद्यापति : डॉ० आनन्दप्रकाश दीक्षित
5. विद्यापति : डॉ० शिवप्रसाद सिंह
6. विद्यापति : व्यक्ति और कवि : डॉ० रामसजन पाण्डेय
7. विद्यापति का सौन्दर्यबोध : डॉ० रामसजन पाण्डेय
8. महाकवि विद्यापति : डॉ० जयनाथ नलिन
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : (सं०) डॉ० नगेन्द्र



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर  
द्वितीय प्रश्न पत्र – भक्ति काव्य

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

1. कबीरदास : कबीर-ग्रन्थावली (सम्पादक:हजारी प्रसाद द्विवेदी) पद संख्या 160-200
2. जायसी : 'पदमावत' (सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल) – नागमती वियोग खण्ड
3. सूरदास : 'भ्रमर गीत सार' (सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल) पद 20-40 (कुल 20 पद)
4. तुलसीदास : 'उत्तर काण्ड' (गीता प्रेस)
5. मीरबाई (मीरा : सं० विश्वनाथ त्रिपाठी, आरंभ से 20 पद)

पाठ्यपुस्तक : प्राचीन काव्यसंग्रह

1. सम्पादक- डॉ० आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह-सम्पादक- डॉ० कुमार वीरेन्द्र  
प्रकाशक- लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. मध्ययुगीन काव्यसाधना : डॉ० रामचन्द्र तिवारी
2. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : डॉ० पीताम्बरदत्त बड़थवाल
3. कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर-मीमांसा : डॉ० रामचन्द्र तिवारी
5. कबीर-साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
6. कबीर की विचारधारा : डॉ० गोविन्द त्रिगुणायत
7. कबीर और जायसी : डॉ० शिवमूर्ति शर्मा
8. पदमावत का काव्य सौन्दर्य : डा० शिव सहाय पाठक
9. जायसी : डॉ० विजयदेव नारायण साही
10. पदमावत : वासुदेवशरण अग्रवाल
11. अष्टछाप और बल्लभ-सम्प्रदाय : डॉ० दीनदयालु गुप्त
12. सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
13. सूर का काव्यवैभव : डॉ० मुंशीराम शर्मा
14. महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे बाजपेयी
15. सूर और उनका साहित्य : डॉ० हरबंश लाल शर्मा
16. सूर का श्रृंगार वर्णन : डॉ० रमाशंकर तिवारी
17. भ्रमरगीत सार (भूमिका) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
18. तुलसी दर्शन : डॉ० बलदेव प्रसाद मिश्र
19. रामकथा : उत्पत्ति और विकास : डॉ० कामिल बुल्के
20. तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
21. तुलसी काव्य मीमांसा : डॉ० उदयभानु सिंह
22. तुलसीदास और उनका युग : डॉ० राजपति दीक्षित
23. त्रिवेणी : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
24. तुलसीदास : माता प्रसाद गुप्त



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

---

- |                                      |   |   |
|--------------------------------------|---|---|
| 25. हिन्दी साहित्य का इतिहास         | : | आचार्य रामचन्द्र शुक्ल                    |
| 26. अकथ कहानी प्रेम की               | : | पुरुषोत्तम अग्रवाल                        |
| 27. पद्मावत मानुष प्रेम भयउ बैकुन्टी | : | पुरुषोत्तम अग्रवाल                        |
| 28. पचरंग चोला पहन सखीरी             | : | माधव हाड़ा                                |
| 29. सब लिखनी कै लिखु संसारा          | : | पद्मावत और जायसी की दुनिया – मुजीव रिज़वी |



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर  
तृतीय प्रश्न पत्र : रीतिकाव्य – संग्रह

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

1. केशवदास : सम्पादक विजयपाल सिंह (लोक भारती प्रकाशन) आरम्भ से 20 छन्द
2. बिहारी : 'बिहारी-रत्नाकर' (सम्पादक : जगन्नाथदास 'रत्नाकर') 1 से 40 दोहे
3. घनानन्द : 'घनानन्द कवित्त' (सम्पादक : विश्वनाथप्रसाद मिश्र) कविता संख्या 1-20
4. गुरु गोविन्द सिंह – देहु शिवा वर मोहि इहे, वाण चले तेई कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियान तिह की

पाठ्यपुस्तक : रीतिकाव्यसंग्रह

1. सम्पादक— डॉ० आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह-सम्पादक— प्रो० रमेश चन्द्र शुक्ल एवं डॉ० अवधेश कुमार शुक्ल  
प्रकाशक— लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन : डॉ० रामकुमार वर्मा
2. बिहारी : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. हिन्दी काव्य में शृंगारपरम्परा और बिहारी : डॉ० गणपतिचन्द्र गुप्त
4. बिहारी का काव्य लालित्य : डॉ० रमाशंकर तिवारी
5. बिहारी सतसई : जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
6. बिहारी के काव्य का पुनर्मूल्यांकन : डॉ० रामदेव शुक्ल
7. केशव का आचार्यत्व : डॉ० विजयपाल सिंह
8. आचार्य केशवदास : डॉ० हीरालाल दीक्षित
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : (सं०) डॉ० नगेन्द्र
11. गुरु गोविन्द सिंह और उनका काव्य : डॉ० महीप सिंह





प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर—प्रथम ऐच्छिक  
चतुर्थ प्रश्न पत्र : आधुनिक गद्य (निबन्ध एवं नाटक)

पूर्णांक 100

क्रेडिट—05

निर्धारित पाठ्यक्रम :

(क) निबन्ध

1. भारतेन्दु—दिल्ली दरबार दर्पण
2. अध्यापक पूर्ण सिंह —मजदूरी और प्रेम
3. प्रताप नारायण मिश्र—शिवमूर्ति
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल — लोभ और प्रीति
5. डा० हजारीप्रसाद द्विवेदी —नाखून क्यों बढ़ते हैं
6. डा० विद्यानिवास मिश्र —मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
7. कृबेरनाथराय — गंधमादन

पाठ्यपुस्तक का नाम : प्रतिनिधि निबन्ध एवं कहानियाँ

1. सम्पादक— डा० आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह—सम्पादक—प्रो० प्रभाकर सिंह एवं प्रो० रमेश चन्द्र शुक्ल  
प्रकाशक— लोक भारती प्रकाशन

(ख) नाटक :

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा  
अथवा  
मोहन राकेश: आधे—अधूरे

सन्दर्भ —ग्रन्थ

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डा० रामचन्द्र तिवारी
2. निबन्ध : सिद्धांत और प्रयोग : डा० हरिहरनाथ द्विवेदी
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डा० जयचन्द्र राय
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डा० रामचन्द्र तिवारी
5. आचार्य शुक्ल : सन्दर्भ और दृष्टि : डा० जगदीशनारायण 'पंकज'
6. लोक जागरण और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डा० रामविलास शर्मा
7. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : डा० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास : डा० दशरथ ओझा
9. हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास : डा० सोमनाथ गुप्त
10. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डा० जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
11. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक : डा० जगदीशचन्द्र जोशी
12. हिन्दी में ललित निबन्ध : डा० ललित व्यास
13. हिन्दी निबंध का विकास : मधुरेश



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर—प्रथम एव्क्षिक  
चतुर्थ प्रश्न पत्र : आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य विधाएं

पूर्णांक 100

क्रेडिट—05

रामवृक्ष बेनीपुरी — माटी की मूरतें  
महादेवी वर्मा — ठकुरी बाबा  
तुलसीराम — मुर्दहिया  
शिवरानी देवी — प्रेमचन्द घर में  
मन्नू भंडारी — एक कहानी यह भी  
विष्णु प्रभाकर — आवारा मसीहा  
हरिवंशराय बच्चन — क्या भूलूँ क्या याद करूँ  
हरिशंकर परसाई — भोलाराम का जीव

1. सम्पादक— डॉ० आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह सम्पादक—प्रो० सविता कुमारी श्रीवास्तव एवं डॉ० अल्का मिश्रा  
प्रकाशक— लोक भारती प्रकाशन

संदर्भ ग्रन्थ

1. हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास—रामचन्द्र तिवारी
2. महादेवी वर्मा—दूधनाथ सिंह
3. प्रेमचन्द और उनका युग—रामविलास शर्मा
4. तुम्हारा परसाई—कांति कुमार जैन
5. हरिवंश राय बच्चन—अजित कुमार
6. आत्मकथा की संस्कृति—पंकज चतुर्वेदी
7. कथेतर गद्य—माधव हाड़ा



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

---

एम०ए० प्रथम सेमेस्टर  
पंचम प्रश्न पत्र : सेकेन्ड इलेक्टिव

पूर्णांक 100

क्रेडिट-04

विद्यार्थियों द्वारा किसी एतिहासिक अथवा धार्मिक स्थलों का संस्मरण लेखन न्युन्तम आठ हजार शब्दों में। किसी घटना अथवा विषय पर रिपोताज लेखन स्थानीय या राष्ट्रीय लेखकों का साक्षात्कार अथवा

परियोजना प्रस्तुति करना (विषय-पृथ्वीराज रासो, आज का समय एवं कबीर। रामचरितमानस के विविध आयाम, पदमावत, सिद्ध-नाथ साहित्य सगुण एवं निर्गुण काव्यधारा, सूफी काव्य)



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र : हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

(क) उपन्यास :

गोदान – प्रेमचन्द

अथवा

मैला आँचल – फणीश्वरनाथ रेणु

(ख) निर्धारित कहानीकार एवं उनकी कहानियाँ

1. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' – उसने कहा था
2. जयशंकर प्रसाद– आकाशदीप
3. प्रेमचन्द – दुनिया का अनमोल रतन
4. जैनेन्द्र कुमार – अपना-अपना भाग्य
5. निर्मल वर्मा – परिन्दे
6. ज्ञान रंजन-पिता
7. भीष्म साहनी- चीफ की दावत
8. शेखर जोशी-कोसी का घटवार
9. सुभद्रा कुमारी चौहान-राही
10. कमलेश्वर-राजा निरबंसिया
11. अमरकांत-डिप्टी कलेक्टरी

पाठ्यपुस्तक का नाम : प्रतिनिधि निबन्ध एवं कहानियाँ

1. सम्पादक- डॉ० आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह-सम्पादक- प्रो० प्रभाकर सिंह  
प्रकाशक- लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. प्रेमचन्द और उनका युग : डॉ० रामविलास शर्मा
2. गोदान : डॉ० इन्द्रनाथमदान
3. हिन्दी उपन्यास : डॉ० शिवनारायण श्रीवास्तव
4. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद : डॉ० त्रिभुवन सिंह
5. हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग : डॉ० त्रिभुवन सिंह
6. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य : डॉ० गोपाल राय
7. गोदान : कुछ सन्दर्भ : डॉ० कमलेश कुमार गुप्ता
8. हिन्दी कहानियों का विवेचनात्मक अध्ययन : डॉ० ब्रम्हदेव शर्मा
9. हिन्दी कहानी : रचना और प्रक्रिया : डॉ० परमानंद श्रीवास्तव
10. हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास : डॉ० सुरेश सिन्हा
11. हिन्दी कहानियों की शिल्पविधि का विकास : डॉ० लक्ष्मीनारायण लाल
12. अपने अपने अज्ञेय : ओम थानवी
13. अज्ञेय : (सं०) डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
14. हिन्दी के साहित्य निर्माता: अज्ञेय : प्रभाकर माचवे
15. शिखर से सागर तक : डॉ० रामकमल राय



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

---

- |                                      |                           |
|--------------------------------------|---------------------------|
| 16. अज्ञेय एवं आधुनिक रचना की समस्या | : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी |
| 17. अज्ञेय : सौन्दर्य संधारणा        | : डॉ० दुर्गा प्रसाद ओझा   |
| 18. मैला आंचल रचना प्रक्रिया         | : देवेश ठाकुर             |
| 19. अज्ञेय                           | : सं० हितेश कुमार सिंह    |
| 20. हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया   | : सुरेन्द्र चौधरी         |



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० द्वितीय सेमेस्टर  
द्वितीय प्रश्न पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

पाठ्य विषय :

(क) भारतीय काव्यशास्त्र – भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा, काव्य का स्वरूप, (काव्य-लक्षण), काव्य की आत्मा, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य भेद (प्रकार), काव्य गुण, काव्य दोष, शब्द शक्ति । भारतीयकाव्य सिद्धान्त – रस के अवयव, रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण, रीति, अलंकार, वक्रोक्ति, ध्वनि और औचित्य सिद्धांत ।

(ख) हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख हिन्दी आलोचक औरउनकी मान्यताएं : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे बाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ० नगेन्द्र , डॉ० रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, डॉ० नामवर सिंह

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ० कृष्णवल
2. भारतीय साहित्यशास्त्र : आचार्य बलदेव उपाध्याय
3. काव्यशास्त्र : डॉ० भगीरथ मिश्र
4. भारतीयकाव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ० नगेन्द्र
5. साहित्यालोचन : डॉ० श्यामसुन्दर दास
6. सिद्धांत औरअध्ययन : बाबू गुलाबराय
7. रस-मीमांसा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
8. काव्यशास्त्र विमर्श : डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी
9. रस सिद्धांत और सौन्दर्यशास्त्र : डॉ० निर्मला जैन
10. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ० नगेन्द्र
11. काव्य रस : चिन्तन और आस्वाद : डॉ० भगीरथ मिश्र
12. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह
13. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास : डॉ० तारकनाथ बाली
14. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा
15. रस-सिद्धांत : डॉ० नगेन्द्र
16. रीति और शैली : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
17. भारतीय काव्यशास्त्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिन्दी – आलोचना : डॉ० रामचन्द्र तिवारी
18. हिन्दी-आलोचना का विकास : नन्दकिशोर नवल
19. हिन्दी आलोचना : शिखरों से साक्षात्कार : डॉ० रामचन्द्र तिवारी
20. हिन्दी आलोचना : डॉ० विश्वनाथ त्रिपाठी
21. आलोचक औरआलोचना : डॉ० बच्चन सिंह
22. आलोचना के रचना पुरुष : (सं०) भारत यायावर
23. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : मलयज
24. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना का अर्थ और अर्थ की आलोचना : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी
25. हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ० शिवकुमार मिश्र
26. हिन्दी आलोचना के बीच शब्द : डॉ० बच्चन सिंह



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

---

27. देशज काव्यशास्त्र की निर्मिति

: डॉ० अविनाश कुमार सिंह



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० द्वितीय सेमेस्टर  
तृतीय प्रश्न पत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

पाठ्य विषय :

(क) पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्लेटो का काव्य – सिद्धांत : अनुकृति-सिद्धांत

अरस्तू की काव्य विषयक मान्यताएँ : अनुकरण-सिद्धांत, विरेचन-सिद्धांत, त्रासदी-सिद्धांत ।

लॉजाइनस : उदात्त की अवधारणा ।

टी०एस० इलियट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा

(ख) आधुनिक आलोचना के प्रमुख वाद : स्वच्छन्दतावाद, शास्त्रीयतावाद, मार्क्सवाद,  
मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, विखण्डनवाद, बिम्बवाद, प्रतीकवाद, साहित्य का समाजशास्त्र ।

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्रो० देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ० भगीरथ मिश्र
3. प्लेटो के काव्य-सिद्धांत : डॉ० निर्मला जैन
4. अरस्तू का काव्यशास्त्र : डॉ० नगेन्द्र
5. अस्तित्ववाद-कीर्केगार्ड से कामू तक : योगेन्द्र साही
6. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत और वाद : डॉ० सत्यदेव मिश्र
7. उदात्त के विषय में : डॉ० निर्मला जैन
8. पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिन्दी पर उसका प्रभाव : डॉ० रविन्द्रसाहाय वर्मा
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : डॉ० तारकनाथ बाली
10. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह
11. नयी समीक्षा के प्रतिमान : (सं०) निर्मला जैन
12. उत्तर आधुनिकता : स्वरूप और आयाम : बैजनाथ सिंघल
13. त्रासदी : डॉ० हरद्वारी लाल शर्मा
14. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ० रामचन्द्र तिवारी





प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० द्वितीय सेमेस्टर  
चतुर्थ प्रश्न पत्र : भारतीय साहित्य का स्वरूप—तृतीय ऐच्छिक विषय

पूर्णांक 100

क्रेडिट—05

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएं।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
3. प्रतिनिधि उपन्यास — संस्कार (यू०आर० अनन्तमूर्ति)  
आग का दरिया (कुर्रतुल ऐन हैदर)  
वर्षा की सुबह—(सीताकान्त महापात्र)
4. प्रतिनिधि नाटक — घासीराम कोतवाल (विजय तेन्दुलकर)
5. भारतीय साहित्य : चेतना के आयाम— राष्ट्रीयता, लोकतांत्रिक चेतना, धार्मिक चेतना, मूल्यबोध, परम्परा बोध और आधुनिकता।
6. हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

सन्दर्भ —ग्रन्थ

1. भारतीय साहित्य : (सं०) डॉ० नगेन्द्र
2. मराठी भाषा और साहित्य : डॉ० राजकमल बोरा
3. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ : डॉ० के० सच्चिदानन्दन
4. 'चयनम्' : साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
5. भारतीय साहित्य : डॉ० लक्ष्मीकान्त पाण्डेय
6. भारतीय साहित्य : साहित्य अकादमी
7. भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

## ऐच्छिक विषय (Subject Elective) एम०ए० द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न-पत्र प्रयोजनमूलक हिंदी-तृतीय ऐच्छिक विषय

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

**इकाई- 1 : प्रयोजनमूलक हिंदी : अभिप्राय और क्षेत्र**

- अर्थ विस्तार, आवश्यकता और विशेषताएँ
- हिंदी की भूमिकाएँ : राजभाषा, संपर्क भाषा, साहित्यिक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा
- भारतीय भाषाएँ
- हिंदी की समृद्धि व प्रकार, हिंदी का वैविध्य
- हिंदी : मानकीकरण और आधुनिकीकरण की प्रक्रिया

**इकाई- 2. जनसंचार में हिंदी :**

- जनसंचार माध्यम : विविध आयाम
- जनसंचार माध्यम : विविध भाषिक रूप
- विज्ञापन और हिंदी

**इकाई- 3. वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा रूप :**

- वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी की प्रयुक्तियाँ
- वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली
- वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन

**इकाई- 4. प्रशासनिक पत्राचार, विविध रूप :**

- प्रारूपण, कार्यालयी पत्राचार, संक्षेपण, टिप्पण, पल्लवन, प्रतिवेदन

**प्रस्तावित पुस्तकें :**

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : दंगल झाल्टे
2. हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : कैलाशचन्द्र भाटिया
3. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैलाशचन्द्र भाटिया
4. भूमंडलीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी : संपादक- पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी
5. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयुक्ति : जितेन्द्र वत्स
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी और व्यावहारिक पत्रकारिता : मुश्ताक अली



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

---

7. मीडिया और साहित्य-साहित्य रत्नालय कानपुर-प्रो० योगेन्द्र प्रताप सिंह



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

---

एम०ए० द्वितीय सेमेस्टर  
पंचम प्रश्न पत्र— चतुर्थ इलेक्टिव

पूर्णांक 100

क्रेडिट—04

इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों को लघु उपन्यास लेखन करना, मौलिक कहानी पर परियोजना देना, भारतीय संस्कृति के विविध आयामों पर लगभग बीस दस हजार शब्दों में अधिन्यास बनवाना एवं उसका मूल्यांकन करना

अथवा

गोदन एवं मैला आँचल जैसे फलदायी उपन्यासों पर संगोष्ठी आयोजित कराकर उसमें विद्यार्थियों की प्रस्तुति कराना। कहानी लेखन के उपर कार्यशाला का आयोजन कराना। कम से कम विश्वविद्यालय या महाविद्यालय विभाग स्तर 05 संगोष्ठी विद्यार्थि केन्द्रित आयोजित कराना। प्रयोजनमूलक हिंदी पर कार्यशाला आयोजित कर सरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञाप, टिप्पणी लेखन, कार्यालय आदेश, प्ररूपण संक्षेपण आदि का अभ्यास कराना।



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)

पूर्णांक 100

क्रेडिट—05

पाठ्य विषय :

- साहित्येतिहास की अवधारणा।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा तथा मूल स्रोत।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : कालविभाजन और नामकरण की समस्याएँ।
- आदिकाल—विविध नामकरण, मुख्य साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकर एवं उनकी रचनाएँ।
- भक्तिकाल (पूर्व मध्यकाल) भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ, भक्तिकाल की विभिन्न काव्य धाराएँ — निर्गुण काव्यधारा : ज्ञानाश्रयी तथा प्रेमाश्रयी धारा, सगुण काव्यधारा : कृष्णभक्ति धारा तथा रामभक्ति धारा और उनकी सामान्य प्रवृत्तियाँ। भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का वैशिष्ट्य।
- रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल) नामकरण, रीतिकाल की विभिन्न धाराएँ — (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधारा) और उनकी प्रवृत्तियाँ, रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकर व उनकी रचनाएँ।

सन्दर्भ —ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास : डॉ० किशोरी लाल गुप्त
6. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : डॉ० रामविलास शर्मा
7. हिन्दी साहित्य का अतीत : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
9. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास : डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त
11. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्त्यात्मक इतिहास : डॉ० शिवमूर्ति शर्मा
12. सरोज—सर्वेक्षण : डॉ० किशोरी लाल गुप्त
13. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ० जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
14. हिन्दी साहित्य : एक परिचय : डॉ० त्रिभुवन सिंह
15. आधुनिक साहित्य विकास और विमर्श : डॉ० प्रभाकर सिंह
16. रीतिकाव्य:मूल्यांकन के नए आयाम : सं० डॉ० प्रभाकर सिंह



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

पाठ्य विषय :

- आधुनिक काल – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- आधुनिक काल के प्रमुख कवियों एवं उनकी प्रमुख रचनाओं का परिचय।
- हिन्दी-गद्य की प्रमुख विधाओं (निबन्ध, कहानी, उपन्यास, नाटक) तथा गद्य की विविध नवीन विधाओं- रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, डायरी, फीचर, साक्षात्कार, जीवनी, व्यंग्य आदि का परिचय।
- गद्य-साहित्य की विविध विधाओं के प्रमुख रचनाकार तथा उनकी प्रमुख रचनाएँ।
- हिन्दी-आलोचना के समकालीन विमर्श – स्त्री विमर्श, दलित विमर्श तथा आदिवासी विमर्श

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य : डॉ० लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ० श्रीकृष्ण लाल
3. हिन्दी का सामयिक साहित्य : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह
5. हिन्दी साहित्य : एक आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय
6. हिन्दी कथा साहित्य : गंगा प्रसाद पाण्डेय
7. नया साहित्य : नये प्रश्न : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
8. आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
9. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ० लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
11. आधुनिक हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ० भोलानाथ
12. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : डॉ० सुमन राजे
13. नारी शोषण : आइने और आयाम : आशारानी बहोरा
14. स्त्री – उपेक्षिता : प्रभा खेतान
15. स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार
16. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : ओम प्रकाश वाल्मीकि
17. दलित विमर्श की भूमिका : कँवल भारती
18. दलित साहित्य सन्दर्भ : केशव दत्त रूबाली
19. परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डेय
20. स्त्रीमुक्ति संघर्ष और इतिहास : रमणिका गुप्ता
21. हिन्दी काव्य में दलित काव्यधारा : माताप्रसाद
22. आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श : देवेन्द्र चौबे
23. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

---

- |  |                           |
|--|---------------------------|
| 24. तब्दील निगाहें                       | : मैत्रेयी पुष्पा         |
| 25. आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य     | : कुमार वीरेन्द्र         |
| 26. एक खाप चौधरी के कुछ आलोचनात्मक सूत्र | : प्रो० रमेश चन्द्र शुक्ल |



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० तृतीय सेमेस्टर  
तृतीय प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

(अ) भाषा विज्ञान :

- भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के अंग।
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ—वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
- भाषाओं का वर्गीकरण – पारिवारिक, आकृतिमूलक
- भाषा की परिभाषा, भाषा के विभिन्न रूप— भाषा, विभाषा, बोली, उपबोली, लोक भाषा।
- ध्वनि विज्ञान (स्वन विज्ञान) – उच्चारण—अवयव (वागवयव) ध्वनि—वर्गीकरण, ध्वनि—परिवर्तन कारण और दिशाएँ, ध्वनि—विश्लेषण
- रूप विज्ञान, रूप—परिवर्तन
- अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन कारण और दिशाएँ
- वाक्य विज्ञान—वाक्य—परिवर्तन, वाक्य के भेद, वाक्य—विश्लेषण, वाक्य –संरचना और भेद

सन्दर्भ —ग्रन्थ

- |                                  |                           |
|----------------------------------|---------------------------|
| 1. सामान्य भाषा विज्ञान          | : डॉ० बाबूराम सक्सेना     |
| 2. भाषा विज्ञान की भूमिका        | : डॉ० देवेन्द्रनाथ शर्मा  |
| 3. भाषा विज्ञान                  | : डॉ० भोलानाथ तिवारी      |
| 4. भाषा विज्ञान                  | : डॉ० श्यामसुन्दर दास     |
| 5. भारत का भाषा – सर्वेक्षण      | : डॉ० ग्रियर्सन           |
| 6. भाषा विज्ञान शब्द कोष         | : डॉ० भोलानाथ तिवारी      |
| 7. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र  | : डॉ० कपिलदेव द्विवेदी    |
| 8. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका | : डॉ० मोती लाल गुप्त      |
| 9. भाषा विज्ञान और हिन्दी        | : डॉ० सरयू प्रसाद अग्रवाल |
| 10. भाषा विज्ञान और मानक हिन्दी  | : डॉ० नरेश मिश्र          |
| 11. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा  | : डॉ० रामदरश राय          |
| 12. अर्थविज्ञान और व्याकरण दर्शन | : डॉ० कपिलदेव द्विवेदी    |





प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० तृतीय सेमेस्टर  
चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी : भाषा एवं लिपि-पंचम एच्छक विषय

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

**खण्ड (क) हिन्दी भाषा**

- हिन्दी भाषा : उद्भव-विकास, क्षेत्र, विविध बोलियाँ
- हिन्दी शब्द-समूह (हिन्दी की शब्द-सम्पदा) तत्सम, तद्भव, आगत एवं देशज शब्दावली
- हिन्दी के व्याकरणिक अवयव-संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया-विशेषण, अव्यय, उपसर्ग, परसर्ग (कारक), प्रत्यय, लिंग, वचन।

**खण्ड (ख) देवनागरी लिपि**

- देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास।
- देवनागरी लिपि : वैज्ञानिकता एवं विशेषताएँ
- देवनागरी लिपि : त्रुटियाँ और सुधार के उपाय, मानकीकरण

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि, प्रचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन आर्य भाषाएँ और उनकी विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ एवं उनका वर्गीकरण, हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी की उप भाषाएँ तथाउनकी बोलियाँ, खड़ी बोली, मानक भाषा, राष्ट्र भाषा, राज भाषा, हिन्दी एवं कम्प्यूटर, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

**सन्दर्भ –ग्रन्थ**

1. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास : डॉ० सत्यनारायण त्रिपाठी
2. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ० धीरेन्द्र वर्मा
3. हिन्दी : उद्भव और विकास : डॉ० हरदेव बाहरी
4. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास : डॉ० उदयनारायण तिवारी
5. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ० श्यामसुन्दर दास
6. हिन्दी भाषा : डॉ० कैलाश चन्द्र भाटिया
7. हिन्दी भाषा : डॉ० भोलानाथ तिवारी
8. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ० देवेन्द्रनाथ शर्मा
9. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ : डॉ० नरेश मिश्र
10. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : लक्ष्मीकान्त वर्मा
11. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ० शिवमूर्ति शर्मा
12. हिन्दी की शब्द सम्पदा : डॉ० विद्यानिवास मिश्र
13. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : डॉ० रामदरश राय
14. हिन्दी शब्दानुशासन : डॉ० किशोरीदास बाजपेयी
15. हिन्दी व्याकरण : कान्ता प्रसाद गुप्त
16. सामान्य हिन्दी : डॉ० शिवमूर्ति शर्मा
17. हिन्दी भाषा और व्याकरण : वासुदेवनन्दन प्रसाद



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

## पंचम ऐच्छिक विषय (Subject Elective)

एम०ए० तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र

हिन्दी अनुवाद

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

इकाई- 1 :

- अनुवाद के सैद्धांतिक आयाम
- अनुवाद : अर्थ, स्वरूप और विस्तार
- अनुवाद और भाषा का संबंध
- स्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा से अभिप्राय
- अनुवाद की प्रासंगिकता

इकाई- 2 :

- अनुवाद की प्रक्रिया
- अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार
- अनुवाद की सीमाएँ एवं समस्याएँ

इकाई- 3 :

- अनुवाद पुनरीक्षण-मूल्यांकन
- तत्काल भाषांतरण : अर्थ, स्वरूप और प्रक्रिया
- अनुवाद और तत्काल भाषांतरण में अंतर

इकाई- 4 :

- साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद एवं गद्यानुवाद
- कार्यालयी अनुवाद
- मीडिया और अनुवाद
- बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य में अनुवाद



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

---

**प्रस्तावित पुस्तकें :**

1. अनुवाद साधना : पूरनचंद टंडन
2. सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : संपा० सुरेश सिंघल, पूरनचंद टंडन
3. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग : नगेंद्र
4. अनुवाद शतक-1 : संपा० पूरनचंद टंडन
5. अनुवाद शतक-2 : संपा० पूरनचंद टंडन
6. कम्प्यूटर अनुवाद : पूरनचंद टंडन



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

---

एम०ए० तृतीय सेमेस्टर  
पंचम प्रश्न पत्र – छठा इलेक्टिव

पूर्णांक 100

क्रेडिट-04

भाषा के उदभव एवं विकास, लिपि के उदभव एवं विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, भाषा एवं समाज, भाषा एवं संस्कृति, भाषा के विविध रूप, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति आदि विषयों पर लघु शोध प्रबंध जमा कराना।

अथवा

अनुवाद के उपर सात दिन या 15 दिन कार्यशाला का आयोजन कराना। किसी भी अन्य भारतीय भाषाओं के कृति का विद्यार्थियों में बांटकर छोटे छोटे अनुवाद की प्रक्रिया से रूबरू कराते हुए अनुवाद करवाना अनुवाद के लिये प्रेरित करना। अनुवाद पर कम से कम 05 सेमिनार आयोजित कराना।



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य (छायावाद तक)

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

निर्धारित कवि और काव्य :

- |                                 |   |   |
|---------------------------------|---|---|
| 1. मैथिलीशरण गुप्त              | : | 'साकेत' – नवम सर्ग                          |
| 2. जयशंकर प्रसाद                | : | 'कामायनी' – श्रद्धा                         |
| 3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' | : | दो कविताएँ – राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति |
| 4. सुमित्रानन्दन पन्त           | : | तीन कविताएँ – परिवर्तन और प्रथम रश्मि       |

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक काव्य : प्रतिनिधि रचनाएँ

सम्पादक :

1. सम्पादक— डॉ० आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह-सम्पादक—डॉ० अल्का मिश्रा एवं डॉ० राधेश्याम सिंह  
प्रकाशक— लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
2. हिन्दी साहित्य : आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय
3. आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह
5. छायावाद : डॉ० नामवर सिंह
6. छायावाद : विश्लेषण और मूल्यांकन : डॉ० दीनानाथशरण
7. छायावादी कवि और काव्य : डॉ० श्रीदेवी खरे
8. छायावादी कवियों का सौन्दर्य-विधान : डॉ० सूर्यप्रसाद दीक्षित
9. छायावाद का काव्य-शिल्प : डॉ० प्रतिमा कृष्णबल
10. छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन : डॉ० कुमार विमल
11. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ० कमलाकान्त पाठक
12. साकेत : रूप – स्वरूप : डॉ० शिवमूर्ति शर्मा
13. मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति  
के आख्याता : डॉ० उमाकान्त
14. खड़ी बोली के उत्कर्ष में मैथिलीशरण गुप्त का  
योगदान : डॉ० सहदेव शर्मा
15. साकेत : एक अध्ययन : डॉ० नगेन्द्र
16. प्रसाद का काव्य : डॉ० प्रेम शंकर



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

- 
- |  |                               |
|--|-------------------------------|
| 17. जयशंकरप्रसाद : वस्तु और कला              | : डॉ० रामेश्वरलाल खण्डेलवाल   |
| 18. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन     | : डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना |
| 19. कामायनी का शैली वैज्ञानिक अध्ययन         | : डॉ० सुरेन्द्र दुबे          |
| 20. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ            | : डॉ० नगेन्द्र                |
| 21. भारतीय महाकाव्यों की परम्परा में कामायनी | : डॉ० विद्या टोपा             |
| 22. जयशंकर प्रसाद                            | : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी   |
| 23. महाप्राण निराला                          | : डॉ० गंगा प्रसाद पाण्डेय     |
| 24. निराला की साहित्य साधना                  | : डॉ० रामविलास शर्मा          |
| 25. विश्व – कवि निराला                       | : डॉ० बुद्धसेन नीहार          |
| 26. क्रान्तिकारी कवि निराला                  | : डॉ० बच्चन सिंह              |
| 27. कवि निराला                               | : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी   |
| 28. निराला : आत्महंता आस्था                  | : डॉ० दूधनाथ सिंह             |
| 29. निराला                                   | : डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव     |
| 30. प्रसाद, निराला और अज्ञेय                 | : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी     |
| 31. सुमित्रानन्दन पन्त                       | : (सं०) सदानन्द प्रसाद गुप्त  |
| 32. सुमित्रानन्दन पन्त                       | : डॉ० नगेन्द्र                |
| 33. ज्योति-विहग                              | : शान्तिप्रिय द्विवेदी        |
| 34. पन्त का काव्य                            | : डॉ० प्रेमलता बाफना          |
| 35. सुमित्रानन्दन पन्त: जीवन और साहित्य      | : डॉ०शान्ति जोशी              |
| 36. पन्त, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त          | : डॉ० रामधारी सिंह 'दिनकर'    |
| 37. त्रयी                                    | : आचार्य जानकीबल्लभ शास्त्री  |
| 38. प्रसाद, निराला, अज्ञेय                   | : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी     |
| 39. साकेत : एक अध्ययन                        | : डॉ० नगेन्द्र                |



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

एम०ए० चतुर्थ सेमेस्टर  
द्वितीय प्रश्न पत्र : छायावादोत्तर काव्य

पूर्णांक 100

क्रेडिट-05

निर्धारित कवि और काव्य :

- |   |  |
|---|--|
| 1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' : | 'आसाध्य वीणा' कविता  |
| 2. गजानन माधव मुक्तिबोध :                     | 'अंधेरे में' कविता   |
| 3. नागार्जुन :                                | बादल को धिरते देखा है, पछाड़ दिया मेरे आस्तिक ने,<br>बहुत दिनों के बाद |
| 4. रामधारी सिंह दिनकर :                       | कुरुक्षेत्र  |

पाठ्यपुस्तक : छायावादोत्तर काव्य : प्रतिनिधि रचनाएँ

सम्पादक :

1. सम्पादक— डॉ० आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ।
2. सह सम्पादक— डॉ० कुमार वीरेन्द्र  
प्रकाशक— लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ —ग्रन्थ

1. कविता के नये प्रतिमान : डॉ० नामवर सिंह
2. चालीसोत्तर हिन्दी कविता के हीरक हस्ताक्षर : डॉ० दुर्गाप्रसाद ओझा, डा० मधु खन्ना  
: डॉ० इला सुकुमार
3. अज्ञेय : व्यक्तित्व विभास : डॉ० दुर्गा प्रसाद ओझा
4. अज्ञेय कवि : डॉ० ओम प्रकाश अवस्थी
5. अज्ञेय की कविता : डॉ० चन्द्रकान्त वान्दिवडेकर
6. अज्ञेय सृजन और सन्दर्भ : डॉ० सावित्री मिश्र
7. अज्ञेय : चेतना के सीमान्त : डॉ० ज्वाला प्रसाद खेतान
8. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन : डॉ० केदारनाथ शर्मा
9. पंत सहचर : अशोक वाजपेयी
10. मुक्तिबोध : डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
11. मुक्तिबोध : विचारक, कवि और कथाकार : डॉ० सुरेन्द्र प्रताप
12. मुक्तिबोध : डॉ० लक्ष्मणदत्त गौतम
13. मुक्तिबोध की काव्य कला : डॉ० अचला तिवारी
14. मुक्तिबोध : युगचेतना और अभिव्यक्ति : डॉ० आलोक गुप्त
15. आत्मसंघर्ष की कविता और मुक्तिबोध : डॉ० हंसराज त्रिपाठी
16. अज्ञेय कवि : डॉ० ओम प्रकाश अवस्थी
17. कवियों का कवि शमशेर : रंजना अरगड़े
18. नागार्जुन की काव्ययात्रा : डॉ० रतनकुमार पाण्डेय
19. फिलहाल : अशोक वाजपेयी
20. डॉ० धर्मवीर भारती : व्यक्ति और साहित्यकार : पुष्पा भास्कर



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

## सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course) एम०ए० चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र : हिंदी सृजनात्मक लेखन

पूर्णांक 100

क्रेडिट-04

### इकाई- 1 :

- सृजनात्मक लेखन : काव्य एवं गद्य का संदर्भ
- सृजनात्मक लेखन से अभिप्राय : स्वरूप एवं आयाम
- गीत लेखन, मुक्तक लेखन, लंबी कविता-लेखन, प्रबंध-लेखन
- लघुकथा, कहानी, एकांकी, नाटक, उपन्यास आदि के लेखन की प्रविधि एवं प्रक्रिया

### इकाई- 2 :

- मीडिया एवं फीचर लेखन में सृजनात्मक अपेक्षा तथा आयाम
- प्रिंट एवं दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन के क्षेत्र एवं विस्तार
- मीडिया लेखन में सृजनशीलता का वैशिष्ट्य
- फीचर लेखन से अभिप्राय : स्वरूप, महत्व और क्षेत्र
- फीचर लेखन की रचना-प्रक्रिया

### इकाई- 3 :

- रेडियो-टी०वी० लेखन और सृजनात्मकता
- रेडियो-टी०वी० : बच्चों के लिए सृजनात्मक लेखन
- रेडियो-टी०वी० : प्रहसन, एकांकी और नाट्य-लेखन
- हास्य व्यंग्य एवं मनोरंजन विषयक लेखन और सृजनशीलता

### इकाई-4 :

- गद्य की विभिन्न विधाओं का लेखन और सृजनशीलता
- कहानी लेखन और सृजनात्मकता
- संस्मरण, रेखाचित्र लेखन और सृजनधर्मिता
- संवाद-लेखन और सृजन-धर्म
- साक्षात्कार प्रविधि और सृजनात्मक बोध





प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

---

**प्रस्तावित पुस्तकें :**

1. मीडिया लेखन कला : सूर्यप्रसाद दीक्षित, पवन अग्रवाल
2. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
3. फीचर लेखन : पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी
4. सूचना प्रौद्योगिकी, हिंदी और अनुवाद : संपा० नीता गुप्ता, पूरनचंद टंडन
5. सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : सुरेश सिंहल, पूरनचंद टंडन



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)  
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.  
(Formerly Allahabad State University)

## सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course) एम०ए० चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र : हिन्दी सिनेमा और साहित्य

पूर्णांक 100

क्रेडिट-04

इकाई- 1.

- सिनेमा का स्वरूप
- सिनेमा का उद्भव
- कैमरे की भूमिका
- दर्शक और स्क्रीन का संबंध

इकाई- 2.

- सिनेमा का इतिहास
- सिनेमा का आरंभिक युग
- सन साठ के बाद का न्यू वेब सिनेमा

इकाई- 3.

- हिंदी सिनेमा : समाज और संस्कृति-बालमनोविज्ञान और सिनेमा स्त्री-विमर्श और सिनेमा
- सांस्कृतिक विमर्श और सिनेमा
- राष्ट्रियता और सिनेमा

इकाई- 4.

- सिनेमा और साहित्य का संबंध, साहित्यिक कृतियों पर बनी हिंदी फिल्मों, विशेष अध्ययन : गोदान, शतरंज के खिलाड़ी, तीसरी कसम, रजनीगंधा

प्रस्तावित पुस्तकें :

- लेखक का सिनेमा : कुंवर नारायण
- पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी
- Film Theory : An Introduction Through the Senses, by Thomas Elsaesser and Malte Hagener
- हिंदी सिनेमा सदी का सफर : अनिल भार्गव
- साहित्य, सिनेमा और समाज : पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी
- भारतीय सिनेमा का सफरनामा : संपा० जयसिंह
- समय, सिनेमा और इतिहास : संजीव श्रीवास्तव



प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ०प्र०  
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)  
**Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.**  
(Formerly Allahabad State University)

---

सिनेमा का जादुई सफर : प्रताप सिंह

एम०ए० चतुर्थ सेमेस्टर  
पंचम प्रश्न पत्र : दीर्घ शोध परियोजना

पूर्णांक 100

क्रेडिट-10

दीर्घ शोध परियोजना के विषय हिन्दी साहित्य के आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक संपूर्ण साहित्यिक विद्या होगा। शिक्षक किसी मौलिक विषय पर भी शोध का कार्य दे सकते हैं। विद्यार्थियों के शोध परियोजना में उद्युक्त सामग्री सन्दर्भ पद टिप्पणी, सन्दर्भ ग्रन्थावली, अनुसंधान क्रियाविधि आदि का समावेश हो।

शोध परियोजना का विषय अन्तरअनुशासनिक भी हो सकते हैं। शोध परियोजना का विषय नवीन, मौलिक और प्रासंगिक होना चाहिये।